Need for Removal of Railway Track from Jodhpur to Fidusar in Rajasthan

डा0 नारायण सिंह मानकलाव (नाम निर्देशित): उपसभापति महोदय, ज्यादातर सदस्य रेलवे लाइन बिछाने की बात करते हैं, मैं रेलवे लाइन उखाड़ने की बात कर रहा हूं।

महोदय, उत्तर पश्चिमी रेलवे के जोधपुर डिवीजन में एक मीटर गेज की रेलवे लाइन का आजादी से पूर्व भगत की कोठी से सूरसागर तक जोधपुर रेलवे द्वारा छीत्तर के सफेद सैण्ड स्टोन की ढ़लाई के लिए निर्माण किया गया था। उस समय यह लाइन शहर के बहुत ही बाहरी क्षेत्र से निकाली गई थी, जिस पर समय पत्थर की ढुलाई नियमित रूप से हुआ करती थी। परन्तु विगत 30 वर्षो से इस रेलवे लाइन पर कोई लदान नहीं होने के कासरण रेल विभाग द्वारा बीच-बीच में कई जगह से रेलवे लाइन को हटा लिया गया है, तो भी कई जगहों से पटरियां चोरी हो रही है । चूंकि अब यह रेलवे लाइन शहर के बहुत ही व्यस्त क्षेत्र से निकल रही है, इसलिए यह बेकार पड़ी रेलवे लाइन कई समस्याएं पैदा कर रही हैं।

अतः मेरा आग्रह है कि रेलवे लाइन के इस भाग को उखाड़कर रेलवे एवम् जन साधारण को होने वाली हानि से मुक्ति प्रदान करें।

Need to Regularise the Services of Border Home Guards in Rajasthan

श्रीमती जमना देवी बारूपाल (राजस्थान) : परम सम्माननीय उपसभापति महोदय, मेरा विशेष उल्लेख बॉर्डर होम गार्ड के जवानों को सेवा में स्थाई स्थान देने के संबंध है।

आदरणीय उपसभसापति महोदय, आपके द्वारा मैं केन्द्र सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगी कि बॉर्डर होम गार्डों की राजस्थान में चार बटालियन है। राजस्थान के सीमा क्षेत्र में बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर तथा श्री गंगानगर जिले हैं। बॉर्डर होम गार्डो का गठन वहीं पर किया गया हैं जहां अन्तर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र लगता है। एक बटालियन में छः कम्पनी होती हैं। एक बटालियन में 666 स्वयं सेवक होते हैं।

राजस्थान मं बॉर्डर होम गार्डो के 2664 स्वयं सेवक है, जिनका भविष्य अन्धकार में है। बॉर्डर होम गार्ड, स्वयं सेवक के रूप मे स्थानीय नागरिकों को शारीरिक व शैक्षणिक मापदंड के योग्य होनहार युवकों की भर्ती किया जाता हैं तथा भर्ती के उपरांत उन्हें कठिन से कठिन कार्य दिया जाता है और प्रशिक्षण दिलाया जाता है, लेकिन न ही उन्हें बराबर कार्य करने की डयूटी मिलती है और न ही उनकी कोई सुध ली जाती है, जबकि 75% राशि केन्द्र सरकार वहन करती है और 25% राशि राज्य सरकार वहन करती है ।राज्य सरकार वहन करती है । राज्य सरकार को तो फायदा है कि उन्हें थोड़ी राशि देनी पड़ती है। अतः इन जवानों को सेवा में स्थाई स्थान देने की आवश्यकता है।

श्री उपसभापति : इसे निकाल दीजिए। जो आप बोल रही है, यह तो आपके टैक्स्ट में नहीं है।

Need to stop misuse of VIP/WIP Residential Premises in Delhi

SHRI S. P. M. SYED KHAN (Tamil Nadu): Thank you, Mr. Deputy Chairman Sir. My Special Mention is regarding the request to stop misuse of VIP/WIP residential premises in Delhi.